कक्षा 12 – भूगोल

उत्तरमाला – 4

खंड – क : बहुविकल्पीय प्रश्न (1 × 20 = 20 अंक)

1. (ख) **असमान गुरुत्वाकर्षण**
2. (क) **ज्वालामुखी उद्गार**
3. (ग) **बाह्य कोर**
4. (ख) **विषुवत रेखा पर**
5. (ख) **कुहासे की वृद्धि**
6. (ग) **प्रशांत महासागर से**
7. (ख) **एल-नीनो प्रभाव**
8. (ख) **परिवहन (मध्य अवस्था में)**
9. (ख) **बैडलैंड का निर्माण**
10. (ग) **नदी डेल्टाओं में**
11. (ग) **घटती जन्म दर**
12. (ग) **वाणिज्यिक कृषि**
13. (ग) **उत्तर-पश्चिम भारत में**
14. (घ) **पूँजी**
15. (ख) **कच्चे माल के निकट**
16. (ग) **तृतीयक क्षेत्र**
17. (ख) **प्रदूषण व झुग्गियाँ**
18. (ख) **तीव्र ढाल**
19. (ग) **संतुलित क्षेत्रीय विकास**
20. (घ) **अंतरपीढ़ीय समानता**

खंड – ख : वर्णनात्मक प्रश्न (50 अंक)

प्रश्न 1. पृथ्वी की आंतरिक संरचना के अध्ययन के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष स्रोतों का तुलनात्मक विश्लेषण (10 अंक)

प्रत्यक्ष स्रोत:

- ज्वालामुखी उद्गार
- खनन एवं ड्रिलिंग

अप्रत्यक्ष स्रोत:

- भूकंपीय तरंगें (P और S तरंगें)
- गुरुत्वीय विचलन
- ताप प्रवणता

तुलनात्मक विश्लेषण:

प्रत्यक्ष स्रोत सीमित गहराई तक जानकारी देते हैं, जबकि भूकंपीय तरंगों से आंतरिक परतों की संरचना एवं घनत्व का अनुमान लगाया जाता है। S-तरंगें द्रव माध्यम से नहीं गुजरतीं, जिससे बाह्य कोर की द्रव अवस्था का पता चलता है।

प्रश्न 2. भारतीय मानसून की अनिश्चितता का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव (8 अंक)

- कृषि उत्पादन में उतार-चढ़ाव
- खाद्यान्न संकट
- ग्रामीण आय में कमी
- महँगाई में वृद्धि
- जलविद्युत उत्पादन पर प्रभाव
- औद्योगिक विकास पर प्रभाव

प्रश्न 3. मृदा अपरदन को "मौन संकट" क्यों कहा जाता है? (8 अंक)

मृदा अपरदन धीरे-धीरे उपजाऊ मिट्टी को नष्ट करता है, जिससे भूमि की उर्वरता कम हो जाती है। इसका प्रभाव तुरंत नहीं दिखता, परंतु दीर्घकाल में कृषि उत्पादन घटता है और मरुस्थलीकरण बढ़ता है।

दीर्घकालीन प्रभाव:

- भूमि बंजर होना
- खाद्यान्न उत्पादन में कमी
- जल संसाधनों का क्षरण
- पारिस्थितिक असंतुलन

प्रश्न 4. जनसंख्या वितरण की विषमताएँ एवं सामाजिक-आर्थिक असंतुलन (8 अंक)

कारण:

- प्राकृतिक संसाधनों का असमान वितरण
- औद्योगिक विकास का असमान फैलाव
- रोजगार अवसरों की कमी

प्रभाव:

- ग्रामीण-शहरी अंतर
- बेरोजगारी
- आवास समस्या
- क्षेत्रीय असमानता

प्रश्न 5. औद्योगिक विकास से उत्पन्न पर्यावरणीय समस्याएँ (8 अंक)

- वायु प्रदूषण
- जल प्रदूषण
- भूमि प्रदूषण
- वनों की कटाई
- जलवायु परिवर्तन

समाधान:

- स्वच्छ तकनीक
- अपशिष्ट प्रबंधन
- वृक्षारोपण
- पर्यावरणीय नियमों का पालन

प्रश्न 6. विश्लेषणात्मक प्रश्न (8 अंक)

(क) परिवहन एवं संचार नेटवर्क की भूमिका

- क्षेत्रीय असमानता कम करना
- व्यापार विस्तार
- औद्योगिक विकास
- रोजगार सृजन

(ख) सतत विकास के बिना आर्थिक विकास अधूरा क्यों?

आर्थिक विकास यदि पर्यावरण को नुकसान पहुँचाता है तो दीर्घकाल में संसाधन समाप्त हो जाते हैं। सतत विकास वर्तमान और भविष्य दोनों की आवश्यकताओं को संतुलित करता है।